अमर उजाला (Amar Ujala)

दिनाँक (Dated): 08/03/2025	पृष्ठ सं0 (Page No). 6	क्रम सं0(Serial No.) 9

तमिल समेत 22 भाषाओं में युवा दे सकेंगे सीएपीएफ परीक्षा : शाह

गृह मंत्री ने कहा-तमिल भाषा, संस्कृति और परंपराएं भारत की संस्कृति का अनमोल गहना

रानीपेट (तमिलनाडु)। देश के युवा अब संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की भर्ती परीक्षा दे सकेंगे। अब तक क्षेत्रीय भाषाओं में सीएपीएफ भर्ती परीक्षाएं देने का प्रावधान नहीं था। तमिलनाडु के तक्कोलम स्थित क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र में 56वें सीआईएसएफ स्थापना दिवस कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा मोदी सरकार ने तमिल समेत आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं में परीक्षा कराने का फैसला किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, तमिलनाडु की संस्कृति ने अनेक प्रकार से भारत की संस्कृति को मजबूत करने का काम किया है। चाहे प्रशासनिक सुधार हो, आध्यात्मिक ऊंचाई प्राप्त करनी हो, शिक्षा के मानक गढ़ने हों या देश की एकता व अखंडता का संदेश हो, हर क्षेत्र में तमिलनाडु ने भारतीय संस्कृति को बहुत मजबूत किया है। तमिल भाषा, संस्कृति और परंपराएं भारत की संस्कृति का अनमोल गहना हैं और पूरा देश यह स्वीकार करता है।

शाह ने कहा, इसी कड़ी में तक्कोलम स्थित सीआईएसएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र का नाम चोल वंश के महान योद्धा राजादित्य चोल के नाम पर रखने का निर्णय किया गया है, जो गौरव की बात है। उन्होंने कहा राजादित्य चोल इसी भूमि पर पराक्रम और बलिदान की अनेक गाथाएं गढ़ कर वीरगति को प्राप्त हुए और चोल साम्राज्य की महान परंपराओं को आगे बढ़ाया। शाह ने सीआईएसएफ की 56वीं स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

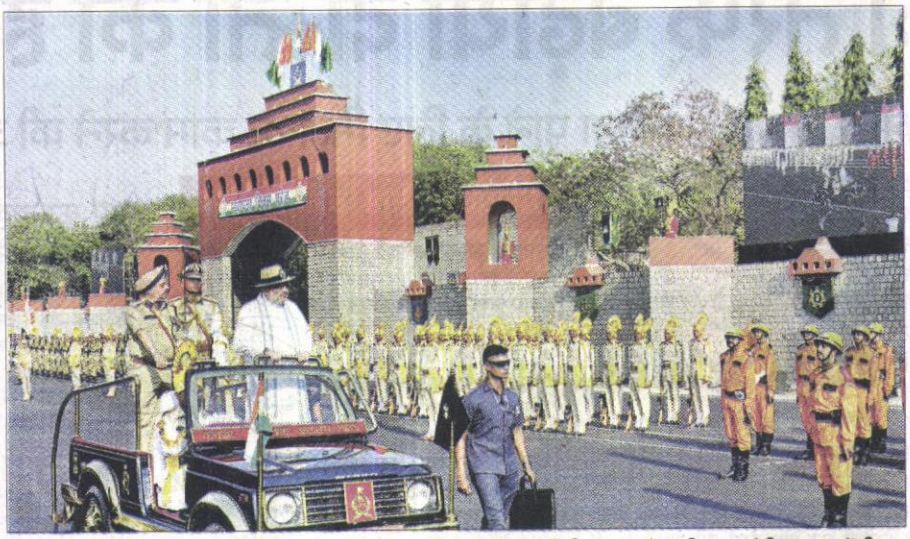

तमिलनाडु के रानीपेट में सीआईएसएफ की स्थापना दिवस परेड का निरीक्षण करते केंद्रीय गृह मंत्री शाह। एजेंसी

स्टालिन तमिल में भी शुरू कराएं मेडिकल-इंजीनियरिंग की पढ़ाई

द्रमुक सरकार व केंद्र के बीच तीन भाषा नीति लागू करने की खींचतान के बीच शाह ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कई अपीलों के बावजूद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य में तमिल भाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को शुरू करने की दिशा में अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने स्टालिन से अनुरोध किया कि अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों की तरह वह भी जल्द से जल्द तमिल भाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रम शुरू करें। इससे मातृभाषा के रूप में तमिल के मजबूत होने के साथ ही तमिल माध्यम के छात्रों को इसका फायदा भी मिलेगा। इससे न सिर्फ मातृभाषा मजबूत होगी, बल्कि तमिल माध्यम में शिक्षित बच्चों को आगे सामान अवसर मिल सकेंगे।

सीआईएसएफ ने निभाई देश के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका... *शाह ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि बीते 56 साल में सीआईएसएफ ने न सिर्फ देश के विकास, प्रगति और आवाजाही को सुरक्षित रखा है, बल्कि उनके सुचारू संचालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बंदरगाह, हवाईअड्डे, महत्वपूर्ण व्यापारिक, पर्यटन एवं शोध संस्थानों समेत देश के औद्योगिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की कल्पना सीआईएसएफ के बगैर नहीं की जा सकती। सीआईएसएफ कर्मियों की अटूट निष्ठा, कठोर परिश्रम और समर्पण से ही देश औद्योगिक विकास के क्षेत्र में सुरक्षित होकर आगे बढ़ रहा है। मोदी सरकार ने सीआईएसएफ को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया है और नवीनतम तकनीकों से बल को लैस किया जा रहा है।*

127 जवानों को दी श्रद्धांजलि... *केंद्रीय गृह मंत्री ने देश की सुरक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सीआईएसएफ के 127 जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, इन 127 जवानों ने अलग-अलग हिस्सों में सुरक्षा की जिम्मेदारी का निर्वाह करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इनके बलिदान के कारण ही देश आज ऊंचे मस्तक के साथ दुनिया के सामने खड़ा है। शाह ने इस दौरान उन्होंने 10 जवानों को राष्ट्रपति पुलिस पदक, 2 को जीवन रक्षा पदक और 10 को वीरता पदक से भी सम्मानित किया। उन्होंने वार्षिक पत्रिका सेंटिनल का भी विमोचन किया। गृह मंत्री ने झंडी दिखा कर सीआईएसएफ साइक्लोथॉन 2025 की भी वर्चुअल शुरुआत की।*